वर्तमान परिवेश में सोशल मीडिया का युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव: एक अध्ययन

1.नीरज भारद्वाज[1] **(**शोधार्थिनी**),** बुंदेलखंड विश्विद्यालय**,** झांसी

2.डॉ**.** धीरेन्द्र सिंह यादव[2] **(Assistant Professor),** बुंदेलखंड विश्विद्यालय**,** झांसी

सारांश

"मेरे विचार में सोशल मीडिया पर एक हद तक कानूनी नियंत्रण होना चाहिए क्यों कि यह जनहित को नकारात्मक रुप से प्रवाभित कर रहा है।"

इलोन मस्क

21वी सदी में कंप्यूटर एक गैजेट बन गया है तथा इंटरनेट का चार विश्वव्यापी फैल चुका है। ऐसे में विभिन्न देशों क्षेत्रों में व्यक्तियों के बीच संवाद बनाने के लिए मंच के रूप में सोशल मीडिया का सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसमें विभिन्न मंच जैसे FACEBOOK, TWITTER, WHAT'SAPP आदि आज लोगों के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए जाने जाते हैं। सोशल मीडिया का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, यहां तक की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया भी इसके प्रभाव को स्वीकारने लगे हैं। कई लोग सोशल मीडिया को जनमत तैयार करने का एक उपक्रम भी मान रहे हैं सोशल मीडिया भी सही मायने में पत्रकारिता का एक हिस्सा है, जहां व्यक्ति स्वयं ही लेखक संपादक प्रकाशक विज्ञापनकर्ता व वितरक है यहां उसे अपने लेख, कविता, कृति या समाचार आदि को प्रकाशित कराने के लिए मीडिया हाउस के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, प्रत्येक वस्तु के दो पक्ष होते हैं सकारात्मक और नकारात्मक सोशल मीडिया के संबंध में कहा जा सकता है सोशल मीडिया एक द्विधारी तलवार है जो दोनों तरफ बार करती है बार करने वाला चाहे तो दुश्मन से अपना बचाव कर सकता है या फिर खुद ही अपना गला काट सकता है लेकिन उसमें तलवार का क्या दोष तलवार तो शत्रु को पराजित करने के लिए ही बनी है ना कि खुद का नाश करने के लिए यही बात सोशल मीडिया पर लागू होती है। यह वरदान होने के साथ-साथ अभिशाप भी है। इसमें नकारात्मक तत्वों का भी समावेश है। विचारों की अभिव्यक्ति का दुरुपयोग, निजता का हनन, सामाजिक जीवन से कटाव लोगों में आपसी द्वेष को बढ़ावा देना आदि इसके नकारात्मक पक्ष हैं। सोशल मीडिया पर चोरी, साइबर क्राइम्स, धोखाधड़ी, बलात्कार आदि की खबरें देखकर-पढ़कर युवाओं में अपराधिक प्रवृत्ति जन्म लेने लगती है। वह जल्दी से जल्दी समाज में अपनी एक पहचान बनाने के चक्कर में अपराध की ओर अग्रसर हो जाते हैं। सोशल मीडिया के अत्यधिक प्रयोग से युवा डिप्रेशन मानसिक तनाव आदि के शिकार होते जा रहे हैं, इसके लिए सोशल मीडिया बहुत हद तक जिम्मेदार है, अगर आवश्यकता है तो इस बात की कि सोशल मीडिया का प्रयोग युवा सही दिशा में करें जिससे कि देश की उन्नति में योगदान हो क्योंकि आज के युवा ही कल का भविष्य हैं।

संकेत शब्द:- सोशल मीडिया, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, ब्लॉकिंग, गूगल प्लस, सोशल मीडिया का युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव

प्रस्तावना

आज के दौर को सोशल मीडिया का दौर भी कहा जाता है, जिसमें सोशल मीडिया की स्वयं की सक्रिय भागीदारी है , जिससे प्रयोगकर्ता अपनी बात खुलकर कह सकता है तथा अपनी कृतियों पर दूसरों की प्रतिक्रिया चाहता है 2004 में आया FACEBOOK अगर एक देश होता, तो जनसंख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर होता। 2009 में शुरू किए गए WHAT'SAPP के वर्तमान में दुनिया में 1.3 अरब उपयोगकर्ता हो गए हैं। TWITTER पर ट्वीट करके कोई भी समाचार चैनलों व पत्रों की सुर्खियों में छा सकता है यह सभी सोशल मीडिया के हिस्से हैं, जिससे सामाजिक प्राणी प्रभावित होता है, जिसमें 85% भाग युवाओं का है जो सोशल मीडिया से प्रभावित है।

1994 में सबसे पहले सोशल मीडिया जि0 ओ0 साइड के रूप में सामने आया था, इसका उद्देश्य एक ऐसी वेबसाइट बनाना था, जिससे लोग अपने विचार बातचीत सरकार से साझा कर सकें। परंतु धीरे-धीरे समय के अनुसार इसमें परिवर्तन होता रहा और वर्तमान में विश्व में करीब 5 अरब लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। उनमें से FACEBOOK पर 2.94 अरब, TWITTER पर 345.3 करोड़, GOOGLE PLUS पर 2 अरब, LINKEDIN पर 830 लाख और WHATSAPP पर 2 अरब ,INSTAGRAM पर 1.36 अरब, TELIGRAM पर 500 लाख से अधिक सदस्य हैं ।सोशल नेटवर्किंग साइट संचार व सूचना का सशक्त साधन है जिनके माध्यम से लोग अपनी बात बिना किसी रोक-टोक के रख पाते हैं, यहीं से सोशल मीडिया का स्वरूप विकसित हुआ।

अध्ययन के उद्देश्य

- सोशल मीडिया को परिभाषित करना ।
- सोशल मीडिया के वर्तमान स्वरूप से युवाओं को अवगत कराना।
- सोशल मीडिया के प्रति युवाओं को सचेत करना सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलुओं से युवाओं को अवगत कराना ।
- सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं में जागरूकता लाना।
- सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने के उपायों से युवाओं को अवगत कराना।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

अकरम, जाहिद (2015) के अनुसार युवाओं द्वारा सोशल मीडिया का अधिक मात्रा में प्रयोग करने से विभिन्न प्रकार की सारी समस्याओं के साथ-साथ आमने-सामने की अंतः क्रिया में भी परिवर्तन हो रहा है। साथ ही युवाओं के सामाजिक व्यवहार एवं जीवन शैली पर भी गहरा प्रभाव पड़ रहा है। सोशल साइट्स उनके कैरियर बनाने में लगने वाले समय को नष्ट कर उन्हें दिशा से विमुख करके एकांकीपन में वृद्धि कर रहा है।

लोकनाथ (2017) ने एक लेख में कहा गया कि नैतिक मूल्यों के विकास और भारतीय संस्कृति की महत्ता का एहसास कराने में सोशल मीडिया की भूमिका अहम हो सकती है लेकिन सोशल मीडिया के उपयोगकर्ताओं को जागरूक रहना होगा किसी के सम्मान को केस पहुंचाना खबरों के साथ छेड़छाड़ किसी की निजता में हस्तक्षेप सनसनी सैलाना नैतिक आचरण के खिलाफ है नैतिक आचरण ही मानव जीवन को उसके जीवन की सार्थकता का बोध कराता है।

जैन,धीरज (2017) के द्वारा प्रकाशित अध्ययन में स्पष्ट किया कि नेटवर्किंग साइट्स पर मनोरंजन हेतु वेयर किया जाने वाला समय लिंग द्वारा भिन्न होता है जिसका आयु शैक्षणिक योग्यता एवं व्यवसाय से कोई संबंध नहीं है।

गाइथो, मैरिएन (2018) के अनुसार युवा एवं सामाजिक परिवर्तन सोशल साइट्स के प्रभावों पर केंद्रित है जो स्पष्ट करता है कि पिछले 20 वर्षों में सूचना एवं सूचना एवं प्रौद्योगिकी की तीव्र गति ने समुचित विश्व को परिवर्तित किया है, इसके माध्यम से राजनीति, व्यापार,विश्व संस्कृति, शिक्षा,कैरियर को नए आयाम मिले हैं।

कनौजिया, सुनीता (2019) के द्वारा किए गए शोध कार्य में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 350 युवा विद्यार्थियों (21 से 24 वर्ष) का चयन किया गया तथा साक्षात्कार अनुसूची अवलोकन विधि का प्रयोग किया गया तथा प्राप्त परिणामों के अनुसार अधिकांश युवा विद्यार्थी सोशल नेटवर्किंग साइट पर अधिक समय व्यतीत करते हैं फिर चाहे उसका कोई भी कारण हो सकता है।

श्रीवास्तव, अनुप्रिया (2019) ने वाराणसीशहर की युवा महिलाओं और सोशल मीडिया के उपयोग, प्रसार एवं प्रभाव पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया और विश्लेषण करने का प्रयास किया, अध्ययन अनुसार सोशल मीडिया का उद्भव भी महिलाओं के लिए हथियार के रूप में हुआ है तथा सोशल मीडिया पर नवीन तथ्यों की जानकारी से महिलाओं में तथ्यपरक तथा तार्किकता का विकास हुआ है।

सोशल मीडिया का वर्तमान स्वरूप

'डिजिटल इंडिया' के नारे के सहारे देश दुनिया भर में डिजिटल पर अपनी चमक बढ़ाने कि पूर्व में जुटा है, गौरतलब है कि भारत में 'करो या मरो' 'आराम हराम है' जैसे नारों की लोकप्रियता भले मिले ना मिले, लेकिन डिजिटल इंडिया जैसे स्लोगन आधुनिक भारत का ट्रेंड बनते जा रहे हैं सरकार समाज जनता इन तीनों के बीच की कड़ी है मीडिया इसे संविधान का चौथा स्तंभ कहा जाता है वह भी अब सोशल मीडिया से अछूता नहीं रह गया है, जहां एक और मीडिया के जरिए राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में पारदर्शिता आई है 'राइट टू इनफार्मेशन' और राइट टू एजुकेशन' जैसे अधिकार भारतीयों को हित को ध्यान में रखते हुए लागू हुए हैं। वहीं दूसरी ओर काले धन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सशक्त मुहिम चलाने में मीडिया मील का पत्थर साबित हुआ है ,जैसे-जैसे मीडिया की स्वतंत्रता पड़ रही है वैसे वैसे उसके दायरे भी बढ़ रहे हैं।

FACEBOOK,TWITTER,WHATSAPP,HIKE GOOGLE PLUS, INSTAGRAM, TELIGRAM जैसे सोशल मीडिया नेटवर्किंग साइट्स ने मीडिया का स्वरूप ही बदल कर रख दिया है, जिससे सोशल मीडिया और लोगों के बीच का दायरा भी बहुत कम हो गया है, परंतु सवाल यह है कि यह कम होता दायरा समाज के लिए कितना अच्छा है और कितना बुरा। मीडिया के आधुनिकीकरण में प्रचार एवं दृढ प्रचार का अंतर कहीं खो गया है। जहां एक ओर सूचना और खबर के प्रति लोगों की बुद्धि जीविता उभर कर सामने आ रही है, वहीं दूसरी ओर असामाजिक तत्व भी अवैध लाभ उठा रहे हैं। निजी स्वार्थ के लिए आधुनिकता व विकास का इस्तेमाल करना कहां तक सही है , यह मीडिया के लिए एक अनसुलझी पहेली है।

समाज का आईना कहीं जाने वाली मीडिया इस तरह की मिसाल कायम कर रही है यह किसी से भी छुपा नहीं है, परंतु इस अनियमितता के लिए अकेले मीडिया ही को जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । खबरों की उचित प्रचार-प्रसार के लिए सुनियोजित अर्थव्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण विभाग है। भारतीय अर्थव्यवस्था में सोशल मीडिया के जरिए खड़े किए गए विज्ञापन उद्योग के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता तो फिर आज मीडिया पूंजीपतियों के हाथों के कठपुतली बनकर क्यों रह गया है, इतिहास साक्षी है जिस देश की मीडिया जितनी मजबूत और आत्मनिर्भर होती है उस देश का भविष्य उज्जवल होता है।

सोशल मीडिया के व्यापक विस्तार के साथ साथ कई ने नकारात्मक पक्ष उभर कर सामने आए हैं। मीडिया की वजह से हमारे जीवन में सूचनाओं की भरमार सी हो गई है। अब तो कहा जाने लगा है कि आज का युग सूचनाओं का योग है पर ज्ञान का नहीं अर्थात सूचनाओं में ज्ञान का अभाव है आज का दौर युवा शक्ति का दौर है। भारत में इस समय 65 % के करीब युवा है। युवा को बड़ी ही सक्रियता से समाज से जोड़ने का काम सोशल मीडिया कर रहा है। युवाओं में सोशल साइड का क्रेज दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, परिणाम स्वरूप आज सोशल नेटवर्किंग दुनियाभर में इंटरनेट पर होने वाले नंबर वन गतिविधि बन गया है इसमें जहां एक और लोगों को ऑफिस संवाद की सुविधा मिली है वहीं दूसरी ओर इसमें अपराधों में वृद्धि हुई है। व्हाट्सएप, ट्विटर, गूगल प्लस आदि और ना जाने कितने ही रूप इन दिनों सोशल मीडिया की दुनिया में शुमार है। आज हम वर्चुअल वर्ल्ड में जीते हैं जिसका की कोई ठोस अस्तित्व नहीं है। आजकल तो अधिकतर पुरुष या महिला इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के बिना 15 मिनट भी नहीं रह सकते और अब आमने सामने बात करने के स्थान पर वर्षों से बात करना अधिक पसंद करते हैं 'एसोसिएट चेंबर ऑफ कॉमर्स' की वर्ष 2014 की रिपोर्ट के अनुसार 8 से 13 वर्ष के 73% बच्चे फेसबुक और साइड से जुड़े हुए हैं, वे अपने स्कूल टाइम्स में भी सोशल साइट्स पर ही लगे रहते हैं, जो कि उनके लिए बिल्कुल भी सही नहीं है यह उनके आने वाले भविष्य को अंधकार में ले जा सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण सोशल नेटवर्किंग साइट्स

FACEBOOK

फेसबुक सोशल नेटवर्किंग साइट है जिसका प्रारंभ 'हावर्ड यूनिवर्सिटी' एक डोर मेट्री 'मार्क जुकरबर्ग' ने फरवरी 2004 में किया था तब इसका नाम THE FACEBOOK था। कॉलेज में यह शीघ्र ही लोकप्रिय हो गया और अगस्त 2005 में का नाम THE FACEBOOK से हटाकर FACEBOOK पर दिया गया। 2011 की रिपोर्ट के अनुसार 7.5 मिलियन से ज्यादा 13 साल से नीचे की उम्र की बच्चे हैं 2009 तक फेसबुक सर्वाधिक प्रयोग में लाई जाने वाली वेबसाइट बन चुका था । संसार की सबसे लोकप्रिय सोशल साइट्स में यह पहले स्थान पर है।

2021-22 के सर्वे के अनुसार

2.94 Billion - Monthly Active on Facebook

1.93 Billion - Mobile daily users

5.77 Billion- Users are Female

56.8 Billion- Users are maile

1.6 Billion- Fake Profile

350 Million- Photo Uploaded Daily

Every 60 second on Facebook

5,10,000- Commentsbare Posted

2,93,000- Status are Uploaded

1,36,000- Photos are Uploaded

- फेसबुक पर सबसे ज्यादा पोस्ट ब्राजील से किए जाते हैं।
- 1 मिलियन से अधिक वेबसाइट अलग-अलग तरह से फेसबुक से जुड़ी हुई है।
- 85% से अधिक महिलाएं फेसबुक पर अपने पुरुष दोस्तों से परेशान हैं।

Twitter

ट्विटर की शुरुआत 21 MARCH 2001 को हुए यह एक लघु संदेश सेवा है तथा माइक्रोब्लॉगिंग की तरह सोशल मीडिया सेवा है, इसमें उपयोगकर्ता की जानकारी को ट्वीट करते हैं। ट्वीट अधिक से अधिक 140 अक्षरों तक हो सकता है, जो उपयोगकर्ता द्वारा भेजा जाता है। इंटरनेट पर यह सेवा निशुल्क है। SMS उपयोग के लिए प्रदाता को शुल्क देना पड़ता है। ट्विटर अन्य सोशल नेटवर्किंग साइट्स की तरह ही प्रसिद्ध है।

अभी तक यह अंग्रेजी में उपलब्ध उपलब्ध था परंतु अब स्पेनिश, जापानी, जर्मनी, फ्रेंच और हिंदी आदि कई भाषाओं में उपलब्ध है। ट्विटर एलेक्सा के बेव यातायात विश्लेषण ओ0 टी0 के द्वारा संसार की सबसे लोकप्रिय साइट्स में आठवें स्थान पर है। लगभग 328 मिलीयन व्यक्ति प्रति महा ट्विटर पर सक्रिय रहते हैं

BLOGGING

ब्लॉगिंग की शुरुआत 1994 में 'जस्टिन हॉल' ने ऑनलाइन डायरी के रूप में की थी जबकि पहली बार बेवलाग शब्द का प्रयोग 1997 में किया गया था बेवलाग को पहली बार 1999 में अपने निजी साइट्स पर जाने वाले व्यक्ति 'पीटर महरिल्फ' थे वह पहले मुफ्त ब्लॉगिंग की शुरुआत का श्रेय पियारा लैवस के 'ईवान विलियम्स' और 'मैग होरिहान' को जाता है 1999 के बाद गूगल ने इसे खरीद लिया था। 21 अप्रैल 2003 में 'आलोक कुमार' ने पहला हिंदी ब्लॉग' नौ दो ग्यारह' लिखा ।

Yahoo!

यह एक अमेरिकी वैश्विक इंटरनेट सेवा कंपनी है। यह कई प्रकार की सेवाएं व सुविधाएं जैसे वेब पोर्टल, खोज साधन व ईमेल, खबरें आदि प्रस्तुत करती है इस कंपनी की आय से 1.4 अरब डॉलर है याहू की स्थापना 1994 में 'स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय' के ग्रेजुएट छात्र 'जैरी यांग'व 'डेविड फिलो' ने किया था। पहले इसका नाम JERRY GUIDE TO THE WORLD WIDE WEB था अप्रैल 1994 में इसका नाम YAHOO हो कर दिया गया YAHOO का जिसके विस्तृत नाम

Y. Yet

A. Another

H. Hierachical

O. Officious

O. Oracle

है इस कंपनी की आय से 1.4 अरब डॉलर है।

WhatsApp

व्हाट्सएप मैसेंजर स्मार्टफोन पर चलने वाली एक परसेंट मैसेंजर सेवा है। इसकी सहायता से उपयोगकर्ता के टेक्स्ट, संदेश के अलावा और फोटो, वीडियो तथा अपनी लोकेशन भी भेज सकते हैं। जनवरी 2009 में 'जेन क्रूम' ने इसका निर्माण किया था तथा बाद में गूगल ने से निशुल्क कर दिया यह एप्पल, एंड्राइड, विंडोज, ब्लैकबेरी और नोकिया ,आई फ़ोन अन्य स्मार्टफोन के लिए उपलब्ध है। वर्तमान समय में 2021-22 तक 2 अरब मासिक उपयोगकर्ता हो गए हैं। उपरोक्त जानकारी के अतिरिक्त और भी कई ऐप और वेबसाइट उपलब्ध हैं जैसे VIBER, HOT MAIL, HIKE, TELIGRAM, INSTAGRAM, CHAT आदि जिनसे व्यक्ति जुड़े हुए हैं। यह व्यक्ति के जीवन विशेषकर युवाओं के जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं।

युवाओं को प्रभावित करता सोशल मीडिया

माना कि आज समाज उन्नति कर रहा है और यदि समाज में रहना है तो हमें भी उसी के साथ चलना पड़ेगा परंतु समाज में सोशल मीडिया ने अपना एक स्थान बना लिया है, जिससे व्यक्ति कितना भी चाहे तो दूर नहीं रह सकता। सोशल मीडिया किस तरह समाज व युवाओं को प्रभावित कर रहा है, इसके विषय में कोई सोचना ही नहीं चाहता। सोशल मीडिया एक दो धारी तलवार है जो दोनों तरफ वार करती है बाहर करने वाला चाहे तो दुश्मन से अपना बचाव कर सकता है या फिर खुद ही अपना गला काट सकता है लेकिन इसमें तलवार का क्या दोष तलवार तो शत्रु को पराजित करने के लिए ही बनी है ना कि खुद का नाश करने के लिए यहीं पर मीडिया पर लागू होती है। FACEBOOK TWITTER WHATSAPP जैसी सोशल साइट्स और विभिन्न एप्स आज लागो की जिन्दगी का हिस्सा बन गया है। जिसमें WHATSAPP सबसे अधिक प्रयोग में लाया जा रहा है।

प्रारंभ में सोशल मीडिया का उद्देश्य लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़ना था परंतु इसने समाज में रहने वालों बहुत प्रभावित किया है, जिसमें विशेषकर युवा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स आज युवाओं को किस तरह प्रभावित कर रहा है यह हम उन पहलुओं पर नजर करके समझ सकते हैं

1. ट्विटर फेसबुक अन्य व्यक्तियों को हमारे दोस्तों को देखने की सुविधा देता है, इस बीच कई बार अपने करीबियों के सामने सही छवि बनाने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
2. आजकल युवा सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग दोस्त बनाने के लिए कम गर्लफ्रेंड बनाने में ज्यादा करते हैं, जिससे युवा अपने उद्देश्य से भटक रहे हैं।
3. कम उम्र के लड़के- लड़कियां बिना जानकारी किए उत्साह में सामने वाले को अपनी सभी प्राइवेट जानकारी साझा कर देते हैं जैसे फोन नंबर, पता आदि जिससे कई बार समस्या का सामना करना पड़ता है।
4. सोशल मीडिया की लत के कारण आजकल युवाओं में अपराधिक प्रवृत्ति जन्म लेने लगी है।
5. इसकी लत के चलते आजकल युवा अपने माता-पिता द्वारा रोके जाने पर आक्रामक हो जाते हैं।
6. कई बार सोशल साइट्स पर गलत वह झूठी अफवाह फैला दी जाती हैं जिससे सामान्य जीवन प्रभावित होता है।
7. सोशल साइट्स पर अधिकांश युवा फ्लर्टिंग सीख रहे हैं यहां तक कि कुछ साइट्स पर तो फ्लर्ट करना ही सिखाया जाता है।
8. सोशल साइट्स पर दोस्तों द्वारा शराब,धूम्रपान करते हुए फोटो युवाओं को उकसाते हैं और वह वही कार्य करने लगते हैं।
9. सोशल साइट्स की अत्यधिक उपयोग से युवाओं में मानसिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं जो उनके शारीरिक व मानसिक विकास को प्रभावित कर रहे हैं।
10. सोशल मीडिया के उपयोग से ही युवा अपमानजनक शब्द बोलना गालियां देना सीखते हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से बचाव

1. सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव से युवाओं को बचाया जा सकता है यदि सोशल मीडिया पर अनुपयुक्त सामग्री पर प्रतिबंध लगा दिया जाए ।जैसे यौन हिंसा, शराब, जुआ, अपमानजनक शब्द, बलात्कार आदि व अन्य सामग्री जो कि युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।
2. सोशल मीडिया कंपनियों के मानक तय किए जाएं , उनके द्वारा किस तरह की फोटो या जानकारी शेयर की जा सकती है।
3. अनुपयुक्त , असामाजिक जानकारी शेयर करने पर उन कंपनियों पर प्रतिबंध या रोक लगा दी जाए।
4. अनुपयुक्त असामाजिक सामग्री या फोटो डालने पर कानून द्वारा आर्थिक दंड कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए।
5. सोशल मीडिया पर किसी व्यक्ति के निजता के हनन को रोकने के लिए भी कड़े कानून बनाने जाएं।

6. ऑटोप्ले, पोस्ट अलर्ट जैसे कुछ फीचर्स पर प्रतिबंध लगाया जाए, इससे की अनावश्यक जानकारी युवाओं तक ना पहुंचे।

7. समाज और राष्ट्र को प्रभावित करने वाले पोस्ट क्या वीडियो डालने पर प्रतिबंध लगाया जाए ,जिससे राष्ट्र और समाज को हानि ना पहुंचे।

उपसंहार

आज दुनिया का छठा व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोग करता है। वर्तमान में सोशल मीडिया लोगों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन गया है। युवाओं के जीवन में सोशल साइट ने क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। आंकड़ों की माने तो शहरी इलाकों में प्रत्येक चार में से तीन व्यक्ति सोशल मीडिया का रूप में प्रयोग करते हैं, इनमें अधिकतम कॉलेज जाने वाले विद्यार्थी और युवा वर्ग के लोग हैं। आज हम लाख प्रयास करें तब भी सोशल मीडिया से दूर नहीं रह सकते और रहना भी नहीं चाहिए, क्योंकि समय की गति के साथ आपको भी जागरूक होकर चलना चाहिए। ऐसा नहीं है सोशल मीडिया बुरा है थोड़ा सावधान रहें जिससे कोई आपका दुरुपयोग न कर सके। मैं खासतौर पर किशोरियों से कहना चाहूंगी कि अपनी निजी जानकारी किसी भी वेबसाइट पर शेयर ना करें और ना ही अपना डेली रूटीन किसी को बताएं क्योंकि कई बार जिन्हें आप अपना समझते हैं वही धोखा देते हैं। सोशल मीडिया विशेषज्ञ 'पवन दुग्गल' का कहना है कि, "भारत में सोशल मीडिया का उपयोग समाज से जुड़े हर वर्ग के लोग कर रहे हैं उनमें से अधिकांश लोग ऐसे स्मार्टफोन धारक हैं जो इसकी संवेदनशीलता से अनजान हैं और सिर्फ दूसरों की देखा देखी फेसबुक और ट्विटर पर सक्रिय हैं सरकार को चाहिए कि इस भर्ती इस लोकप्रियता के समानांतर उन कानूनी उपायों के प्रति विचार जरूर करें जिनका इस्तेमाल विचारों के इस सैलाब को बेकाबू होने से रोकने में प्रयोग किया जा सके" एक अध्ययन में 'कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय' के 'थॉमस डब्ल्यू वेलेन्ट' ने बताया कि मित्रों ऑनलाइन तस्वीरों को शराब व सिगरेट पीने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं।

युवाओं पर डिजिटल तकनीक के प्रभाव का मूल्यांकन महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह प्रभाव उनके वयस्क व्यवहार और भविष्य के समाज के व्यवहार को आकार प्रदान करेंगे। यह जानना दिलचस्प होगा कि 'बिल गेट्स' और 'स्टीव जॉब्स' जैसे तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों ने अपने बच्चों की प्रौद्योगिकी तक पहुंच को गंभीरता से नियंत्रित कर रखा था। सोशल मीडिया के उपयोग में भी अति से बचने और उसका संतुलित उपयोग करने में समस्या का समाधान हो सकता है हमें सोशल मीडिया का प्रयोग अपने व किसी के जीवन को बर्बाद करने के स्थान पर किसी के जीवन को संवारने में करना चाहिए।

"जिस तरह हम अपने बच्चों को बाइक चलाना सिखाते हैं, ठीक उसी तरह हमें उन्हें यह सिखाने की आवश्यकता है कि सोशल मीडिया को कैसे संचालित करें और सही कदम उठाये जो कि उनकी सहायता करें। भौतिक दुनिया कई मामलों में आभासी दुनिया के समान है। यह जागरुक होने के बारे में है। यदि हम शिक्षित हैं तो हम कई असफलताओं को होने से रोक सकते है।"

एमी जो मार्टिन

संदर्भ-ग्रंथ सूची

1. Akram, Z. Mahmud, M. Mahmood, A. 2015. "*Impact of Social Networking Sites (SNSs) On Youth"*. Applied Science Reports, 11 (1), 6-10. Retrieved from www.pscipub.com (DOI:10.15192/PSCP.ASR.2015.11.1.610)

2. Boyd, Donah M.: School of information University of California.

3. B,NicoleElison."*Socialnetworksites:Defination,history,andscholarship"*DepartmentofTelecommunication information studies and Media Michigen state University.

4. Buckingham, David. Willett,Rebekah. "*Digital Generation,children,young people and new media"* Institute of Education, University of London.

5. Das, R.C. (1993) "*Education Technology*" basic text New Delhi, Sterting Publisher.

6. Gwenn schurgin O' Keeffe Kathleen clarke person 2011"*The impact of social media on children. adolescents and families: Council on communication and media"* Pediatrics ; Originally published online American Academy of Pediatries Dedicated to Health of all Children(DOI : 10: 1542/peds 2011-0054)

7. Jain; Dr.Dhiraj(2017) "*Information sharing on Social Networking Sites (SNS): An Empirical study*" Annual Research Journal of Symbiosis Centre for Management Studies (SCMS), Pune, ISSN 2348–0661, Vol- 5

8. Jenna Palermo Christofferson "*HOW IS SOCIAL NETWORKING SITES EFFECTING TEEN'S SOCIAL AND EMOTIONAL DEVELOP : A SYSTEMIC REVIEW"*. St Catherine University

9. Journal of Computer Mediated Communication a International Communication. 13 2008 210-230

10. Oingya wang, Wei chen, and yu Lieng.2011 "*THE EFFECT OF SOCIAL MEDIA ON COLLEGE STUDIES*" Johnson o wals University Feisten Graduate School, RSCH 5500

11. Shrivastav, Anupriya. 2019 *"Deep Learning Model for Text Recognition in Images"* Conference Paper in 1^{0th} International Conference on Computing and Networking Technologies(ICCCNT) (DOI:10.1109/ICCCNT45670.2019.8944593**)**

12. Siddiqui,Shabnoor.Singh,Tajinder,"*SOCIAL MEDIA ITS IMPACT WITH POSITIVE AND NEGATIVE ASPECTS",* Mats University Raipur C.G..

13. **बेसिक शिक्षा परिषद: *सोशल मीडिया और युवाओं पर इसका प्रभाव*।**

14. **कनौजिया, सुनीता 2019 "*सोशल साइट्स का युवाओं पर प्रभाव: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन*' काशी हिंदू विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग http://hdl.handle.net/10603/383435**

15. **लोकनाथ 2017 "*सामाजिक जागरूकता में सोशल मीडिया की भूमिका*' पत्रकारिता विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी http://hdl.handle.net/10603/290182**

16. **डॉ. लोकनाथ पीडीएफ (2017)"*नैतिकता के विकास में सोशल मीडिया की भूमिका'* महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी: अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, नैतिकता से आध्यात्मिकता धर्म समाज और विकास द्वारा प्रकाशित संस्करण 2017 ISBN: 99 - 81-8435- 000-0**

17. https://zeenews.india.com/hindi/health/social-media-negatively-effects.
18. http://shodhganga.inflibnet.ac.in/
19. https://www.researchgate.net/
20. https://www.amarujala.com/
21. https://www.bhaskar.com/